छोटूराम आर्य महाविद्यालय, सोनीपत।

तथा

चन्द्रिका दास कंस्ट्रक्शन, सोनीपत

के बीच

प्लम्बिंग कौशल प्रशिक्षण क्षेत्र में सहयोग के लिए

समझौता ज्ञापन

CHHOTU RAM ARYA COLLEGE
SONEPAT

Chandrika Das Contractor
Sonepat (Haryana)

छोटूराम आर्य महाविद्यालय, सोनीपत।

तथा

चन्द्रिका दास कंस्ट्रक्शन, सोनीपत

के बीच

प्लम्बिंग कौशल प्रशिक्षण क्षेत्र में सहयोग के लिए

समझौता ज्ञापन

दिनांक 1 जूलाई 2019 को सोनीपत में हस्ताक्षर किए गए

इसमें **छोटूराम आर्य महाविद्यालय, सोनीपत** द्वारा किया जाए और एतद्पश्चात इसे 'प्रथम पक्षकार' के रुप में कहा जाए और इसमें **चन्द्रिका दास कंस्ट्रक्शन, सोनीपत** द्वारा किया जाए और एतदपश्चात इसे 'द्वितीय पक्षकार' के रुप में कहा जाए।

इसमें दोनों पक्षकारों को संयुक्त रुप से 'दो पक्षकार' कहा जाए।

दोनों पक्षों के लिए नलकारी की फिटिंग, रिपेयरिंग, एवं रखरखाव का महत्व पहचानते हुए तथा संयुक्त सहयोग के क्षेत्रों का विस्तार करने के लिए अनुकूल परिस्थिति की तंत्र का सृजन करने तथा **कौशल प्रशिक्षण क्षेत्र** में मैत्रीपूर्ण सहयोग और तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान को बढावा देने के लिए तथा समानता, पारस्परिकता औा सम्मान के सिद्धान्तों के आधार पर पारस्परिक परामर्श के पश्चात दोनों पक्षकार निम्नलिखित के लिए सहमत हुए हैं:-

अनुच्छेद-1 : इस समझौता ज्ञापन का लक्ष्य

दोनों पक्ष्कारों का लक्ष्य अपने-अपने हितों के **प्लम्बिंग कौशल प्रशिक्षण क्षेत्र** में सहयोग के लिए साझा ढांचा तैयार करना है जिसमें नलकारी की फिटिंग, रिपेयरिंग, एवं रखरखाव का संवदर्धन और विस्तार, आधुनिक पद्धतियों में विज्ञान, ज्ञान और प्रौद्योगिकी का अंतरण शामिल है।

अनुच्छेद-2 सहयोग की संभावना

दोनों पक्ष नलकारी की फिटिंग, रिपेयरिंग, एवं रखरखाव और इससे संबंधित निम्नलिखित क्षेत्रों में सहयोग के लिए सहमत हुएः

CHHOTU RAM ARYA COLLEGE (Estd. 1951) SONEPAT

चन्द्रिका
Chandrika Das Contractor
Sonepat (Haryana)

क) सापेक्षिक अध्ययन करने के अलावा नलकारी की फिटिंग, रिपेयरिंग, एवं रखरखाव समस्या के समाधान के लिए विज्ञान व प्रौद्योगिकी का आदान–प्रदान।

ख) वैज्ञानिक व तकनीकी जानकारी और संबंधित विशेषज्ञता–अर्थात् नवीनतम प्रौद्योगिकी, नलकारी की फिटिंग, रिपेयरिंग, एवं रखरखाव करने का आदान–प्रदान।

ध) पारस्परिक रुप से स्वीकार्य उद्यमों की स्थापना के माध्यम से विशेष रुप से नलकारी की फिटिंग, रिपेयरिंग, एवं रखरखाव में परस्परिक व्यापार के आदान–प्रदान को बढावा देना।

ड) साझा हित के विषयों पर सेमीनार, कार्यशाला व प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन करना।

च) पारस्परिक सहयोग का अन्य कोई क्षेत्र जिस पर दोनों पक्षकार सहमत हो।

अनुच्छेद–3 प्रयोग

दोनों पक्षकार निम्नलिखित के लिये सहमत हुए हैं–

(क) पारस्परिक सहयोग के लिए प्राथमिक क्षेत्रों को परिभाषित करना और कार्य योजनाएँ, संबंधित स्कीम व परियोजनाएँ तैयार करना।

(ख) दोनों पक्षकारों द्वारा विधिवत अनुमोदित नियोजित सहयोग की स्कीमों के अनुपालन में सहयोग और आदान–प्रदान के दौरों की परियोजनाओं का निष्पादन करना।

अनुच्छेद–4ः बौद्धिक संपदा अधिकार

बौद्धिक संपदा अधिकार से संबंधी मुद्दे निम्नलिखित प्रावधानों के अनुसार अधिशासित किए जाएंगेः

1. प्रत्येक पक्षकार अपने कानूनों, नियमों व विनियमों जिनके प्रति दोनों पक्षकार वचनबद्ध हैं, के अनुसार समझौता ज्ञापन के अनुसरण में सहयोग से सृजित बौद्धिक संपदा अधिकार का उचित रुप से संरक्षण सुनिश्चित करेगा।

प्रकाशन :

इस समझौता ज्ञापन के अनुसरण में सहकारों द्वारा संचालित संयुक्त कार्यो से उद्भूत कोई भी प्रकाशन, दस्तावेज तथा कागजात

Chandrika Das Contractor
Sonepat (Haryana)

पर संयुक्त रुप से स्वामित्व होगा। किसी भी प्रकाशन दस्तावेज ओर/अथवा कागजात से संबंधित नाम, लोगो तथा/अथवा सहभागियों के अधिकारिक प्रतीक के लिए दोनों पक्षकारों की पूर्व अनुमति अपेक्षित है। तथापि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि अधिकारिक प्रतीक तथा लोगो का दुरुपयोग न हो।

अनुच्छेद–5 अवधी एवं नवीनीकरण

यह समझौता ज्ञापन दोनों पक्षकारों द्वारा हस्ताक्षर करने की तिथि से लागू होगा तथा यह पांच वर्षो के लिए लागू रहेगा। यदि दोनों पक्षकारों में से एक भी पक्षकार अन्य पक्षकार को समझौता ज्ञापन के समाप्त होने से कम से कम छः माह पूर्व लिखित नोटिस नहीं देता है तो यह समझौता ज्ञापन स्वतः ही अगले पांच वर्षो के लिए पुनः नवीनीकृत हो जाएगा।

इस समझौता ज्ञापन को अंतिम रुप देने से बकाया योजनाओं व परियोजनाओं में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं होगा अथवा उन पर किसी भी प्रकार का प्रभाव नहीं पडेगा।

अनुच्छेद–6 स्वतंत्रता

दोनों में से कोई भी पक्षकार संगठनात्मक तथा कानूनी तौर पर अपने कार्य तथा स्वतंत्रता को बनाये रखेगा।

अनुच्छेद–7 विवादों का निपटान

इस समझौता ज्ञापन के किसी भी प्रावधान के निर्वचन अथवा कार्यान्वयन से उद्भूत किसी भी विवाद के पक्षकारों द्वारा बातचीत अथवा परामर्श के माध्यम से निपटाया जायेगा।

अनुच्छेद–8 संशोधन

इस समझौता ज्ञापन में कोई भी संशोधन अथवा परिवर्तन दोनों पक्षकारों द्वारा पूर्व लिखित समझौते के अध्यधीन होगा व समझौता ज्ञापन को जारी करने के लिए उपयोग किए गए तरीके के अनुसार लागू किया जाएगा। संशोधन अथवा परिवर्तन करने का इच्छुक पक्ष अपनी इच्छा को लिखित माध्यम से व्यक्त करेगा।

इस समझौता ज्ञापन की एक मूल प्रति (हिन्दी भाषा), सभी समान रुप से प्रामाणिक, पर **दिनांक 1 जूलाई 2019** को

CHHOTU RAM ARYA COLLEGE SONEPAT (Estd. 1951)

चन्द्रिका

Chandrika Das Contractor
Sonepat (Haryana)

सोनीपत में हस्ताक्षर किए गए। निर्वचन में किसी प्रकार का विवाद होने पर हिन्दी पाठ को ही प्रभावी माना जाएगा।

Chandrika Das Contractor
Sonepat (Haryana)

प्राचार्य
छोटू राम आर्य कालेज
सोनीपत

चन्द्रिका दास कंस्ट्रक्शन,
सोनीपत